

प्रसामार ए

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकासित PUBLISHED BY AUTHORITY

₹• 189]

नई बिल्ली, शुक्रवार, मई 22, 1970/अपेट्ट 1, 1892

No. 189]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 22, 1970/JYAISTHA 2, 1895

इस भाग में भिन्न वट्ट सक्या दी जाती है जिससे कि यह बालग संकलन के रूप में रक्ता जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed us a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

ORDER

New Delhi the 21n' May 1970

SO. 1880 —Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. SO 1196, dated the 13th April, 1966, read with the Orders of the Government of India in the late Ministry of Commerce Nos. SO. 1466, dated the 13th May, 1966, SO 1346, dated the 12th April, 1967, SO 1377, dated the 12th July, 1967, SO 2564, dated the 13th July 1967, SO 3088, dated the 1st September, 1967, SO 3308, dated the 15th April, 1968, SO 2081, dated the 16th October, 1967, SO 1343, dated the 15th April, 1968, SO 2081, dated the 7th June, 1968, SO 2757, dated the 2nd August, 1968, SO 3716, dated the 15th October, 168, and the late Ministry of Foreign Trade and Supply (Department of Foreign Trade) Orders Nos SO 1432 dated the 15th April 1969 and SO 4161, dated the 10th October, 1969, and the Ministry of Foreign Trade Orders Nos SO 229, dated the 15th January, 1970, SO 388, dated the 31st January 1970 and SO 715, dated the 21st February 1970, the management of the industrial undertaking known as the Swadeshi Cotton and Flour Mills Limited, Indore and had been taken over by the Authorised Controller referred to n the Order first mentioned above for a period upto and inclusive of the 22nd May, 1970,

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a period upto the 15th July, 1970,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the provise to Sub-Section (2) of Section 18A of the Industrial (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order first mentioned above shall continue to have effect for a further period upto the 15th July, 1970.

[F. No. 10(8)Tex(A)/64-Tex(G)]

P. K. SAMAL, Joint Secy.

विवेशी गापार मंत्रालय

द्यावेडा

नई दिल्ली, 22 मई, 1970

भा० भा० 1880— यतः भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंद्रालय के श्रादेश संख्या का० श्रा० 1466, दिनांक 13 मई, 1966, का० श्रा० 1346, दिनांक 12 श्रप्रेल, 1967, का० श्रा० 2377 दिनांक 17 जलाई, 1967, का० श्रा० 2564, दिनांक 31 जलाई, 1967 का० श्रा० 3088, दिनांक 1 सितम्बर, 1967, का० श्रा० 3308, दिनांक 15 सितम्बर, 1967, का० श्रा० 3695, दिनांक 16 शक्तूबर, 1967, का० श्रा० 1343, दिनांक 15 श्रप्रेल, 1968, का० श्रा० 2081, दिनांक 7 जून, 1968, का० श्रा० 2757, दिनांक 2 श्रगस्त, 1968, का० श्रा० 3716, दिनांक 15 श्रक्तूबर, 1968, श्रोर भूतपूर्व विदेशी व्यापार तथा श्रापूर्ति मंद्रालय (विदेशी व्यापार विभाग) श्रादेश सं० का० श्रा० 1432, दिनांक 15 श्रप्रेल, 1969, तथा का० श्रा० 4161, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1969 श्रौर विदेशी व्यापार मंद्रालय का० श्रा० 229, दिनांक 15 जनवरी, 1970, का० श्रा० 338, दिनांक 31 जनवरी, 1970 तथा का० श्रा० 715, दिनांक 21 फरवरी, 1970 के साथ पठित भारप सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंद्रालय के श्रादेश सं० का० श्रा० 1196, दिनांक 13 श्रप्रेल, 1966 द्वारा दि स्वदेशी काटन एंड फ्लोर मिन्स लि० इन्दोर नामक श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उपरिवर्णित श्रंतिम श्रादेश में निर्दिष्ट प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा 22 मई, 1970 तक के लिये, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, ग्रहण कर लिया गया था।

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण 15 जुलाई, 1970 तक की श्रवधि के लिये बना रहना चाहिये।

श्रतः जब, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतन्द्वारा निदेश देनी है कि उपरिवर्णित श्रंतिम श्रादेश का प्रभाव 15 जलाई, 1970 तक की श्रागमी श्रविध के लिये श्रीर बना रहेगा।

[फा० सं० 10(8)—टैंक्स (ए)/64टैंक्स (जी)] पी० के० समाल, संयुक्त सचित्र।